विद्या भारती स्कूल (वार्षिक पाठ्यक्रम–2023–24)

कक्षा–आठवीं (VIII) : (विषय : हिन्दी)

Month & Days	Topic	Objectives	Art Integration Experiential Learning	Methodlogy of Teaching Art of Teaching	Learning Outcome	
अप्रैल (17 दिन)	पाठ–1 : प्रियतम (कविता) पाठ–2 : लालच बुरी बला व्याकरण–विराम चिह्न, भाषा, लिपि, संज्ञा, वाक्य विचार रचनात्मक लेखन अनुच्छेद लेखन Weekly Test-1	जीवन में कर्म का महत्त्व समझना। सद्व्यवहार सीखना तथा लालच से बचना।	आशु–संभाषण गतिविधि का आयोजन किया जाएगा	व्याख्यान विधि व प्रदर्शन विधि द्वारा	छात्रों ने जीवन में कर्म के महत्व का मूल्य जाना।	
मई (9 दिन)	पाठ–3 : परीक्षा व्याकरण–सर्वनाम, शब्द भंडार (अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, श्रुतिसम, भिन्नार्थक शब्द) रचनात्मक लेखन, पत्र लेखन (औपचारिक व अनौपचारिक)	छात्र जीवन में मानवता के महत्व को समझें व परोपकार की भावना को जागृत करें। अधिकाधिक नवीन शब्दों का स्मरण व पठन–पाठन करना।	प्रेमचंद पर एक पी.पी.टी. तैयार करना एवं प्रस्तुत करना	व्याख्यान विधि व आगमन विधि द्वारा	छात्रों ने जीवन में मानवता के महत्व को समझा।	
जुलाई (21 दिन)	पाठ–4 : कविता–यह धरती कितना देती है पाठ–5 : चिकित्सा का चक्कर पाठ–6 : क्या निराश हुआ जाए व्याकरण–विशेषण, अलंकार (उपमा, मानवीकरण) रचनात्मक लेखन– सूचना लेखन Weekly Test-2	धरती की दानवीरता और उपकारिता को समझाना। हास्य–व्यंग्य रचना के माध्यम से सीख प्रदान करना। जीवन में एक–दूसरे की सहायता के भाव को जागृत करना, सामाजिक कार्यों में भाग लेना। व्याकरणिक विषयों का ज्ञान प्राप्त करना।	भ्रष्टाचार विरोधी स्लोगन लिखना व वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन करना।	प्रश्नात्मक व कौशलात्मक शैली	छात्रों ने जीवन में एक–दूसरे की सहायता के भाव का मूल्य समझा।	

अगस्त (21 दिन)	पाठ–8 : तैमूर की हार पाठ–9 : श्रीराम की बाल–लीला पाठ–10 : गोशाला व्याकरण– मुहावरे, वर्तनी एवं सामान्य रचना की सामान्य अशुद्धियां, अलंकार, समास व्याकरणिक विषयों को भलीभांति समझना।	वीरता और धैर्य से मुसीबतों का सामना करना व भारत की संपदा को लूटने वाले आतताइयों के विषय में जानकारी प्रदान करना। श्रीराम की बाललीला का वर्णन करना व देश की संस्कृति की जानकारी प्राप्त करना। वृद्धाश्रम की आवश्यकता व उपयोगिता के विषय में जानना। छात्र भविष्य में बचत का महत्व जानेंगे।	तुलसीदास जी के दोहों का सस्वर वाचन। भाषण–प्रतियोगिता का आयोजन।	ज्ञानात्मक शैली	छात्रों ने वर्णित पाठों में प्रदत्त मूल्यों को पढ़ा व समझा।	
सितंबर (19 दिन)	पुनरावृत्ति अर्द्धवार्षिक परीक्षा हेतु Term-I	परीक्षा उपयोगी प्रश्न–उत्तरों के अभ्यास हेतु।				
अक्टूबर (19 दिन)	पाठ–11 : चाँदी का जूता पाठ–13 : कुछ नए मनभावन खेल व्याकरण– समास, रचना की दृष्टि से वाक्य–भेद, अव्यय (चारों भेद सहित) Weekly Test-3	दहेज कुप्रथा के प्रति जागरूक पाठ–12 : नागालैंड संकल्प करना। दहेज के दुष्परिणामों को समझना। पर्वतीय परंपरा एवं संस्कृति समझना। विभिन्न खेलों के विषय में जानकारी प्राप्त करना।	नागालैंड राज्य की खूब–करना व उसे त्यागने का सांस्कृतिक सुंदरता की झलक को दिखाते हुए पी.पी.टी. तैयार करना व गाइड का अभिनय करते हुए प्रस्तुतिकरण करना। अपने प्रिय खिलाड़ी का अभिनय करना व उपलब्धियों की विवेचना करना।	प्रश्नोत्तरी विधि द्वारा सूरती को, व वहां की	छात्रों ने दहेज जैसी कुप्रथा के विषय में जाना व अपने स्वतंत्र विचार प्रकट किए।	

नवंबर (18 दिन)	पाठ–14 : मैं और मेरा देश पाठ–15 : विंदा व्याकरण– लोकोक्तियां क्रिया, विशेषण, उपसर्ग, क्रिया–भेद, काल और वाच्य (प्रयोग के आधार पर)	उचित शिष्टाचार का व्यवहार सीखना। राष्ट्र के प्रति प्रेम प्रदर्शित करना। माँ के अतुलनीय प्रेम, त्याग और कार्यों का कृतज्ञता–ज्ञापन करना सीखना।	बाल–श्रम पर एक लघु नाटिका का मंचन करना।	ज्ञानात्मक व प्रयोगात्मक शैली	छात्रों ने उचित शिष्टाचार व देश के प्रति प्रेम की भावना को समझा व जीवन में अनुकरण करना सीखा।	
दिसंबर (20 दिन)	पाठ–17 : अजंता की चित्रकला पाठ–18 : सामर्थ्यवान इकबाल व्याकरण– संधि, क्रिया के भेद (प्रयोग की दृष्टि से) (सामान्य, संयुक्त, पूर्वकालिक) Weekly Test-4	ऐतिहासिक भवनों तथा इमारतों की उपयोगिता को समझना व इनके देखरेख के प्रति अपना कर्त्तव्य जानना। विकलांग लोगों की समर्थता को पहचानना, उनके प्रति दयाभाव नहीं, समानता का भाव हो।	अजंता ऐलोरा से संबंधित चित्रों का एक कोलाज बनाना।	प्रश्नात्मक, ज्ञानात्मक शैली	छात्रों ने ऐतिहासिक इमारतों के मूल्य को जाना व जानकारी प्राप्त की।	
जनवरी (17 दिन)	पाठ–19 : सत्कर्त्तव्य व्याकरण– विलोम,	जीवन में कर्त्तव्य के महत्व को समझना। मातृभूमि के प्रति समर्पण की भावना, समर्पण की भावना, स्वार्थ का परित्याग करना।	देश के प्रति समर्पित किन्हीं दो महान नेताओं पर पी.पी.टी. तैयार करना व कक्षा में प्रस्तुत करना। देशभक्ति से संबंधित कविता का सस्वर वाचन।	ज्ञनात्मक शैली	छात्रों ने जीवन में कर्त्तव्य के महत्व को समझा व मातृभूमि के प्रति समर्पण की भावना को जागृत किया।	
फरवरी (21 दिन)	वार्षिक परीक्षा हेतु संपूर्ण पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति	वार्षिक परीक्षा हेतु पुनरावृत्ति करना एवं कक्षा परीक्षा लेना।				
मार्च (10 दिन)	वार्षिक परीक्षा Term-II					

विद्या भारती स्कूल (वार्षिक पाठ्यक्रम–2023–24)

कक्षा–नौ (IX) : (विषय : हिन्दी)

Month & Days	Topic	Objectives	Art Integration Experiential Learning	Methodlogy of Teaching Art of Teaching	Learning Outcome	
अप्रैल (17 दिन)	पाठ–1 : दो बैलों की कथा पाठ–2 : ल्हासा की ओर पाठ–9 : कबीर साखियाँ व शब्द शब्द–निर्माणः उपसर्ग, प्रत्यय अनुच्छेद Weekly Test-1	छात्र कृषक समाज के संबंध को समझेंगे। स्वतंत्रता के महत्व को समझना छात्र तिब्बत के परिवेश व वातावरण से परिचित होंगे। धार्मिक सद्भाव की भावना का विकास करना, कर्मकांड व धार्मिक आडम्बरों की महत्ता नहीं। साहित्य के प्रति अभिरुचि का विकास करना। शब्द निर्माण की प्रक्रिया से अवगत होना।	कहानीकार के जीवन चरित्र को समझने का प्रयत्न करना। नैतिक मूल्यों एवं मानवीय मूल्यों के बारे में बताना। कहानीकार के उद्देश्य को बताना।	ज्ञानात्मक शैली	छात्रों ने पाठों में आधारित नैतिक मूल्यों को पढ़ा व समझा।	
मई (9 दिन)	पाठ–4 : साँवले सपनों की याद व्याकरण– समास– शब्द निर्माण प्रक्रिया से अवगत होना संवाद लेखन, सूचना लेखन (लेखन शैली का विकास)	पक्षियों के प्रति संवेदनशीलता का विकास करना।	पाठ के सार को अपने शब्दों में लिखना। कहानी के महत्वपूर्ण बिंदुओं का स्मरण।	ज्ञानात्मक, बोधात्मक व कौशलात्मक शैली	छात्रों ने विभिन्न पक्षियों के विषय में जानकारी प्राप्त की।	

जुलाई (21 दिन)	पाठ–1 : (कृतिका)– इस जल प्रलय में पाठ–10 : वाख व्याकरण– शब्द निर्माण, अलंकार (शब्दालंकार–संदर्भ में) रचनात्मक लेखन–संवाद लेखन शब्द के अर्थ भेद की पहचान पारस्परिक वार्तालाप लिखित रूप में रूपांतरित Weekly Test-2	परम्परागत कार्यों से अलग हटकर कार्य करने की प्रेरणा देना। धार्मिक सद्भावना का विकास करना।	बालिका शिक्षा, प्राचीन काल में महिलाओं की स्थिति, मध्य काल में महिलाओं की स्थिति व वर्तमान काल में महिलाओं की स्थिति प्रदर्शित करती लघु नाटिका का मंचन।	ज्ञानात्मक शैली– स्वयं लेख लिखने की योग्यता का विकास करना। प्रयोगात्मक शैली– पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखना।	छात्रों ने पाठ में वर्णित परम्परागत कार्यों से अलग हटकर कार्य करने की प्रेरणा प्राप्त की।	
अगस्त (21 दिन)	पाठ–3 : मेरे संग की औरतें पाठ–11 : रसखान व्याकरण–अलंकार (अर्थालंकार) ईमेल–लेखन, लेखन–कौशल विकसित करना। अर्थ के आधार पर वाक्य के भेद।	समाज में व्याप्त लिंग भेद के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना महिलाओं के प्रति सम्मानजनक दृष्टिकोण विकसित करना। ब्रजभाषा की मधुरता से परिचित कराना। कृष्ण के प्रति कवि का प्रेम।	छात्र अपने आसपास की किसी एक सामाजिक समस्या पर एकांकी लिखें।	कौशलात्मक व प्रयोगात्मक शैली का प्रयोग।	छात्रों ने नर–नारी के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण को समझा व जागरूकता प्रदान करने हेतू समाज के सदस्यों को जागरूक किया।	
सितंबर (19 दिन)	पुनरावृत्ति कार्य अर्द्धवार्षिक परीक्षा हेतु Term-I	अर्द्धवार्षिक परीक्षा हेतु समस्त कार्यों की पुनरावृत्ति				
अक्टूबर (19 दिन)	पाठ–6 : प्रेमचंद के फटे जूते पाठ–12 : कैदी और कोकिला लघु–कथा लेखन Weekly Test-3	साहित्य के प्रति अभिरूचि का विकास करना। प्रेमचंद के व्यक्तित्व की सादगी से परिचित कराना। स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों से परिचित कराना।	हिन्दी के साहित्यकारों की सूची बनाना।	प्रश्नात्मक शैली व कौशलात्मक शैली का प्रयोग।	छात्रों ने प्रेमचंद के व्यक्तिगत विषय के बारे में पढ़ा व समझा।	

नवंबर (18 दिन)	पाठ–16 : मेघ आए पाठ–17 : बच्चे काम पर जा रहे हैं व्याकरण– शब्द–निर्माण, उपसर्ग–प्रत्यय (पुनरावृत्ति) वाक्य के भेद (अर्थ की दृष्टि से पुनरावृत्ति)	प्रकृति के प्रति नवचेतना जागृत करना। बालश्रम के प्रति जागरूक करना। शिक्षा के मौलिक अधिकार के प्रति जागरूक करना।	छात्र प्रस्तुत कविता का उद्देश्य व कवि की वेदना का स्पष्टीकरण करेंगे।	प्रश्नात्मक, ज्ञानात्मक व प्रयोगात्मक शैली का प्रयोग। अनुकरण विधि द्वारा पाठ का पठन–पाठन।	छात्रों को बालश्रम के विषय में जानकारी प्राप्त हुई। उन्होंने शिक्षा के मौलिक अधिकार के विषय में जानकारी प्राप्त की।	
दिसंबर (20 दिन)	पाठ–7 : मेरे बचपन के दिन लघु कथा लेखन (पुनरावृत्ति) सूचना लेखन (पुनरावृत्ति) ईमेल लेखन अलंकार Weekly Test-4	लेखिका व उसके जीवन का परिचय। लेखिका द्वारा बचपन की स्मृतियों को वर्तमान के साथ जोड़ना।	अपने आसपास के लोगों के व्यवहार पर एक अनुच्छेद लिखना।	ज्ञानात्मक व प्रयोगात्मक शैली का प्रयोग।	छात्रों ने पाठ में वर्णित लेखिका के परिचय को पढ़ा व उसकी स्मृतियों से रूबरू हुए।	
जनवरी (17 दिन)	पुनरावृत्ति (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम)	परीक्षा उपयोगी प्रश्नों की पुनरावृत्ति व अभ्यास करना।		प्रश्नोत्तरी विधि द्वारा		
फरवरी (21 दिन)	वार्षिक परीक्षा हेतु संपूर्ण पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति	वार्षिक परीक्षा हेतु संपूर्ण पाठ्यक्रम की कक्षा परीक्षा।		प्रश्नोत्तरी विधि द्वारा		
मार्च (10 दिन)	वार्षिक परीक्षा Term-II					